हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "ए" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 329 | देहरादून रविवार 22 फरवरी 2026 | मूल्य :रू 2 | पृष्ठ : 8

मुख्यमंत्री ने की कुंभ मेला तैयारियों की समीक्षा

- दिव्य, भव्य और ऐतिहासिक होगा कुंभ मेला : मुख्यमंत्री

- श्रद्धालुओं की सुविधा, सुगमता और सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता- जिसके लिए होंगे सभी जरूरी प्रबंध

- मेले की तैयारियों को समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ पूरा करने के दिए सख्त निर्देश

हरिद्वार(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को हरिद्वार में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में कुंभ मेला-2027 की तैयारियों की समीक्षा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हरिद्वार में अगले वर्ष आयोजित होने वाला कुंभ मेला दिव्य, भव्य और ऐतिहासिक होगा। मेले के दौरान श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधा, सुगमता और सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस महाआयोजन की व्यवस्थाओं में कोई भी कमी नहीं रहने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कुंभ मेले से संबंधित कार्य निर्धारित समय पर पूर्ण करने के सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभाग बेहतर समन्वय के साथ कार्य करें और लिए गए निर्णयों का अविलंब अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। मेला नियंत्रण भवन, हरिद्वार में आयोजित इस बैठक में मुख्यमंत्री ने मेले की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों पर हुई कार्रवाई तथा वर्तमान में चल रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री ने मेले से संबंधित सभी कार्य आगामी अक्टूबर माह तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेले के लिए सभी प्रमुख स्थायी कार्यों को स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है तथा अस्थायी कार्यों के प्रस्तावों को अंतिम रूप देकर उन्हें भी समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए। जोन एवं सेक्टर स्तर पर की जाने वाली तैयारियों को तय लक्ष्यों और समयसीमा के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपन्न करने के निर्देश दिए गए। निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग हेतु थर्ड पार्टी ऑडिट भी कराने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने मेले के दौरान परिवहन एवं पार्किंग की प्रभावी एवं पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए वैकल्पिक मार्गों को चिन्हित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवागमन तथा स्नान की समुचित व्यवस्था की जाए। संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए स्नान, आवागमन एवं ठहराव के लिए विस्तृत योजना तैयार की जाए। महिला एवं वृद्ध श्रद्धालुओं के लिए विशेष प्रबंध किए जाने के भी निर्देश दिए गए। कुंभ क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्य में स्वयंसेवी संगठनों का सहयोग भी लिया जाए। स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि बीमार श्रद्धालुओं को निकटतम स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने के लिए बोट एवं बाइक एंबुलेंस की व्यवस्था की जाए।

पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता डॉ.गोविंद को भारत श्री राष्ट्रीय रत्न पुरस्कार

देहरादून(संवाददाता)। उत्तराखंड के जल विद्युत निगम के जीएमएस रोड स्थित उज्जवल भवन में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में लोक निर्माण विभाग में कार्यरत सहायक अभियंता डॉ. गोविन्द सिंह कौण्डल को एक्सीलेंस इन पब्लिक सर्विस एंड सोशल वेलफेयर के लिए भारत श्री राष्ट्रीय रत्न पुरस्कार-2026 से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन इंस्टीट्यूट फॉर सोशल रिफार्म्स एंड हायर एजुकेशन(आईएसआरएचई), नीति आयोग, एमएचआरडी भारत सरकार तथा द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, उत्तराखंड स्टेट सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मुख्य अतिथि तकनीकी शिक्षा एवं वन मंत्री सुबोध उनियाल ने डॉ. गोविंद को बधाई देते हुए कहा कि यह दशक उत्तराखंड का है और 2030 तक राज्य ऊर्जा व जड़ी-बूटी क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करेगा। उन्होंने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को दोहराया।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने रेशम कृषि मेले का किया शुभारंभ, कहा - गढ़वाल और कुमाऊं में होगा एक- एक सिल्क पार्क का निर्माण

- रेशम उत्पादन से बढ़ेगी किसानों की आय, उत्तराखण्ड बनेगा आत्मनिर्भर: गणेश जोशी

देहरादून(संवाददाता)। सूबे के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने आज सहसपुर में क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान केन्द्र केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय भारत-सरकार सहसपुर-देहरादून के तत्वाधान में आयोजित रेशम कृषि मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने रेशम विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कृषि मंत्री जोशी ने रेशम के क्षेत्र उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान केंद्र सहसपुर-देहरादून द्वारा प्रकाशित पुस्तक का विमोचन तथा रेशम संग्रहालय का और कृषि आधारित शहतूत वृक्षा रोपण का एकीकृत मॉडल का भी उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने परिसर में पौधा रोपण भी किया और रेशम कृषकों द्वारा अपने अनुभव भी साझा किए। इस अवसर पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य बहुमूल्य प्रजाति के बाईवोल्टीन रेशम कोया उत्पादन के लिए देशभर में प्रसिद्ध है, जिसकी गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय स्तर की है। उन्होंने बताया कि राज्य के मैदानी एवं तराई क्षेत्र बाईवोल्टीन प्रजाति के कोया उत्पादन के लिए अत्यंत अनुकूल हैं। मंत्री जोशी ने कहा कि पर्वतीय एवं सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां भारी उद्योग स्थापित करना संभव नहीं है, वहां उपलब्ध श्रमशक्ति का उपयोग करते हुए किसानों को वन्या रेशम जैसे ओक टसर, मूगा एवं एरी रेशम उत्पादन से जोड़ा जा रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि वर्ष 2025-26 में राज्य कैबिनेट द्वारा रेशम कोयों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (डैच) पारित किया गया है, जिससे किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य प्राप्त होगा। साथ ही विभागीय औद्यानिक कार्यों में लगे दैनिक श्रमिकों की मजदूरी ध्195 प्रतिदिन से बढ़ाकर ध्480 प्रतिदिन की गई है, जिससे श्रमिकों को आर्थिक रूप से अधिक लाभ मिल रहा है। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि शीघ्र ही गढ़वाल और कुमाऊं में एक एक सिल्क पार्क विकसित किए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार...

बाल भवन में लगा स्वास्थ्य शिविर, 115 लोगों की हुई जांच

देहरादून(संवाददाता)। उत्तराखण्ड राज्य बाल कल्याण परिषद की ओर से शनिवार को बाल भवन में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। रेड क्रॉस सोसाइटी के कोषाध्यक्ष मोहन सिंह खत्री की ओर से आयोजित इस शिविर में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से करीब 115 बच्चों, महिलाओं और पुरुषों के स्वास्थ्य की जांच की गई और उन्हें मुफ्त दवाइयां बांटी गईं। शिविर में डॉ. पंकज जुयाल और डॉ. दीपशिखा रावत ने अपनी टीम के साथ चिकित्सकीय परामर्श दिया। इस अवसर पर परिषद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगदीश बाबला ने डॉक्टरों का आभार जताते हुए भविष्य में भी ऐसे शिविर लगाने की बात कही। कार्यक्रम में मधु बेरी, आशारानी पैन्यूली, आनन्द सिंह रावत, आनन्दमणि सेमवाल, कविता दत्ता, डॉ. रेणुका रावत, डॉ. ज्योति सेंगर भी उपस्थित रहे।

देहरादून में प्रदेश के पहले आंचल कैफे प्लस का शुभारंभ

देहरादून(संवाददाता)। रायपुर रोड स्थित दुग्ध संघ देहरादून परिसर में प्रदेश के पहले 'आंचल कैफे प्लस' शुरू हो गया। इसका शुभारंभ काबीना मंत्री सौरभ बहुगुणा ने किया। मंत्री सौरभ बहुगुणा ने बताया कि उपभोक्ताओं को आंचल दूध और उससे निर्मित उच्च गुणवत्ता वाले व्यंजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस कैफे की स्थापना की गई है । उन्होंने इसे विभाग का सराहनीय कदम बताते हुए कहा कि इससे आंचल ब्रांड को नई पहचान मिलेगी और भविष्य में अन्य जनपदों में भी ऐसे कैफे खोले जाएंगे। कैफे के संचालन के लिए तरूण एन्टरप्राईजेज कंपनी के साथ अनुबंध किया गया है। कहा कि यह पहल रोजगार सृजन के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सम्पादकीय

आखिरकार 2025 में श्रम अधिशेष का लाभ उठाने में सक्षम हो सका भारत

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से 20वीं सदी के उत्तरार्ध तक, भारत सुरक्षित अर्थव्यवस्था के अनुरूप कड़े नियंत्रित श्रम ढाँचे के तहत काम करता रहा। यहाँ तक कि उदारीकरण के बाद भी यह ऐसा क्षेत्र था, जिसमें कोई बदलाव नहीं हुआ। इसका स्पष्ट परिणाम यह हुआ कि : श्रम-अधिशेष वाले देश में भी कंपनियाँ श्रम-प्रधान निवेश से बचती रहीं।श्रम के व्यापक उपयोग में बाधा बन रहे श्रम कानून के इस असंतुलन को आखिरकार 2025 में सुधारा गया। अंततः श्रम सुधारों और वीबी-जी राम जी के लागू होने से भारत के लिए अब यह संभव हो गया है कि वह शहरी और ग्रामीण, दोनों ही क्षेत्रों में अपने श्रम अधिशेष को औपचारिक अर्थव्यवस्था में समाहित कर सके। श्रम कानून, सामाजिक सुरक्षा, ग्रामीण रोजगार और उद्यम नीति पहली बार एक ही दिशा में काम कर रहे हैं। इसकी बदौलत भारत एक ऐसी व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, जो औपचारिक रोजगार तथा उद्यमों के विस्तार को सक्षम बनाते हुए श्रमिकों को भी सुरक्षा प्रदान करती है।अन्य श्रम-अधिशेष अर्थव्यवस्थाओं से सीख

चलिए, उन देशों से शुरुआत करते हैं, जिन्होंने भारत जैसी ही चुनौती ख्र श्रम के अधिशेष का सामना किया। 1990 के दशक और 2000 के शुरुआती वर्षों में चीन, वियतनाम और इंडोनेशिया ने श्रमिकों को बड़े पैमाने के विनिर्माण में समाहित करने के लिए भर्ती प्रक्रिया को पूर्वानुमेय और अनुपालन को प्रबंधनीय बनाते हुए श्रम कानून बनाए। भारत ने इसके उलट रास्ता अपनाया। उसने अनुमतियों और जुर्मानों की एक जटिल भूलभुलैया खड़ी कर दी, जिसने श्रम-प्रधान निवेश को हतोत्साहित किया और कंपनियों को अनौपचारिकता की ओर धकेल दिया।शहरी और ग्रामीण, दोनों श्रम बाजारों में रुख अब बदल गया है। भारत ने 29 श्रम कानूनों को चार श्रम संहिताओं में समेकित करते हुए अपने समकक्ष देशों की तुलना में अनुपालन को कहीं अधिक सरल बना दिया है। उसने अपने श्रमिक संरक्षण के स्तर को समकक्ष देशों के बराबर रखा है, और भर्ती में लचीलेपन के मामले में वह उनसे आगे बढ़ गया है।ग्रामीण क्षेत्रों में, मनरेगा से विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) की दिशा में बदलाव ने रोजगार को उत्पादकता से जोड़ दिया है। इसमें बुआई और कटाई के चरम मौसम के दौरान 60 दिनों का विराम शामिल है, ताकि खेतिहर श्रमिकों की कमी न हो और कार्य को टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण से जोड़ा गया है। इसके परिणामस्वरूप एक ऐसी श्रम व्यवस्था बनी है, जो चीन, वियतनाम या इंडोनेशिया की तुलना में निवेश के लिए अधिक तैयार है, जिसमें कारखानों से लेकर खेतों तक पूरे श्रम तंत्र में अनुपालन में सुगमता, व्यापक सामाजिक सुरक्षा और बिना सुरक्षा मानकों को कमजोर किए बड़े पैमाने पर भर्ती की क्षमता मौजूद है।श्रम सुधार: बिखराव से कार्यकुशलता की ओरलगभग 100 श्रमिकों वाली एक छोटी विनिर्माण इकाई की कल्पना ीजिए। वर्षों तक, विकास के साथ चिंता भी जुड़ी रही। कुछ अतिरिक्त श्रमिकों को नियुक्त करने का मतलब थाख्र श्रम कानूनों की जटिल भूलभुलैया से गुजरना, कई तरह के पंजीकरण कराना, मोटे-मोटे रजिस्टर बनाना, अलग-अलग प्राधिकरणों की निरीक्षण कार्रवाइयों का सामना करना, और इस बात का जोखिम उठाना कि कोई मामूली सी प्रक्रियागत चूक भी आपराधिक दायित्व को दावत दे सकती है। लिहाजा, कई व्यवसाय एक ही निष्कर्ष पर पहुँचे: विस्तार करने की बजाय छोटा, अनौपचारिक और कम श्रमिकों के साथ बने रहना ही अधिक सुरक्षित है ।यह मानसिकता 2025 में बदलनी शुरू हुई। 29 केंद्रीय श्रम कघनूनों को चार श्रम संहिताओं में समेकित करने से व्यवस्था नियामकीय अव्यवस्था से निकलकर स्पष्टता की ओर बढ़ी। एकल पंजीकरण, लाइसेंस और रिटर्न के माध्यम से अनुपालन को सरल बनाया गया है; अब निरीक्षण दोष खोजने के बजाय सहयोग और सुविधा प्रदान करने लगे हैं; और सामान्य, रोजमर्रा की त्रुटियाँ अब आपराधिक दंड को आमंत्रित नहीं करतीं।सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह सरलीकरण श्रमिक के अधिकारों की कीमत पर नहीं हुआ है। मजदूरी संरक्षण को सार्वभौमिक बनाया गया है, लैंगिक समानता को कघनून में अंतर्निहित किया गया है, सामाजिक सुरक्षा का दायरा गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों तक बढ़ाया गया है, और प्रवासी श्रमिकों को पोर्टेबिलिटी का लाभ मिला है। अब औपचारिक रूप से श्रमिकों को नियुक्त करना किसी जोखिम को संभालने जैसा नहीं, बल्कि भरोसे के साथ उठाया जाने वाला कदम बन गया हैख्रजिससे विकास, सुरक्षा और विस्तार तीनों एक साथ संभव हो पाए हैं।उद्यमों को बढ़ने और कर्मचारियों को नियुक्त करने में सक्षम बनानाकई वर्षों तक, विकास करना ही अपने आप में एक प्रकार का दंड था। किसी विनिर्माण कंपनी की कल्पना कीजिए, जो बड़े पैमाने पर पहुँचने की कोशिश कर रही हो: जैसे ही उसकी चुकता पूँजी 4 करोड़ रुपये को पार करती थी, वह अपनी लघु कंपनी के दर्जे को खो देती और उसी समय अधिक श्रमिकों को नियुक्त करने की आवश्यकता के बीच अनिवार्य कैश-फ्लो स्टेटमेंट, अतिरिक्त बोर्ड और ऑडिट आवश्यकताएँ, और कंपनी रजिस्ट्रार के पास विस्तृत वार्षिक फाइलिंग ख्रजैसे भारी अनुपालनों में उलझ जाती। इसका जवाब कई व्यवसायों ने आकार को सीमित रखकर, संचालन को विभाजित करके या अनौपचारिक बने रहकर दिया।यह स्थिति 2025 में बदल गई। अब कंपनियाँ 10 करोड़ रुपये तक की चुकता पूँजी के साथ लघु कंपनी की श्रेणी में बनी रह सकती हैं, जबकि एमएसएमई निवेश सीमा 2.5 गुना और टर्नओवर सीमा 2 गुना बढ़ा दी गई है। विकास अब अनुपालन संबंधी आघात का कारण नहीं बनता; बल्कि औपचारिकीकरण, विस्तार और नई भर्ती के लिए अवसरों का सृजन करता है, जो उद्यम आधारित रोजगार सृजन को नियामकीय जोखिम के स्थान पर समझदारी भरा विकल्प बनाता है।

मिथ्या चेतना का दर्शनशास्त्र

हरदीप एस पुरी

भारत में 2026 के आरंभ में सार्वजनिक बहस नववर्ष के अनुशासन के साथ शुरू होनी चाहिए। हमें पड़ताल और तीखी आलोचनाओं का भी स्वागत करना चाहिए। लेकिन इस बात पर भी जोर देना चाहिए कि बहस के साथ जवाबदेही शामिल हो। कुल 1.4 अरब की आबादी वाले गणराज्य को निराशावाद से नहीं सुधारा जा सकता। रोजगार, उत्पादकता, निर्यात और समावेशन सबसे अच्छे समय में भी आसान नहीं होते। प्रगति डिजाइन, क्रियान्वयन, सुधार और परिमापन के नीरस मेल से आती है। नया साल निराशावाद को संशयवाद से अलग करने का भी क्षण है।

फ्रेडरिक नीत्शे ने श्बेयांड गुड एंड ईवल्श में लिखा है: श्दार्शनिक को सिर्फ आलोचक या दर्शक होने के बजाय मूल्यों का सर्जक होना चाहिए। उसे तत्वचिंतन जीवन के खिलाफ नहीं, बल्कि उसके नजरिए से करना चाहिएश्। लोकनीति में इसी तरह के दृष्टिकोण की दरकार है। आलोचनाओं का स्वागत है। मगर ये साक्ष्य तथा एक जटिल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र का शासन चलाने की ज्वलंत बाधाओं से आबद्ध होनी चाहिए। जब संशयवाद एक भंगिमा बन जाए तो यह सुधार संभव बनाने वाली संस्थाओं में विश्वास को खत्म करता है।

पिछले वर्षों में टिप्पणी की एक नई विधा सामने आई है। यह संदेह को सुसंस्करण के तौर पर पेश करती है। यह सुधार के कार्य को मजाक में तब्दील कर देती है। यह हर अपूर्ण परिवर्तन को स्थाई नाकामी के सबूत के तौर पर लेती है। यह एक चिरपरिचित सांत्वना पेश करती है: भारत कदाचित अपने ही नीति निर्माताओं से अभिशप्त है। इस दृष्टिकोण के अपने नतीजे हैं। यह आंकड़ों और बाजारों में विश्वास को घटाता है। यह उद्यमियों और निवेशकों में नियतिवाद को प्रोत्साहित करता है। साथ ही यह बाहरी ताकतों को वार्ताओं में भारत को दबाव में लाने के लिए तैयार कथानक भी प्रदान करता है। विशेषज्ञता को तथ्यों के प्रति जवाबदेह बने रहना चाहिए।

मजबूत पेशेवर और शैक्षिक पृष्ठभूमि का दंभ भरने वाले कुछ टिप्पणीकारों का इस तरह की भंगिमा का सहारा लेना चिंता की बात है। इनमें से कुछ ऐसे टिप्पणीकारों को मैं जानता हूं जिनकी पहचान और विश्वसनीयता भारत पर आधारित है। लेकिन वे संभवतः ध्यानाकर्षण या अब सरकार का हिस्सा नहीं होने के बावजूद प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए देश के खिलाफ अनाप-शनाप बोल कर अपना कॅरियर बनाने की कोशिश में लगे हैं।

उनका यह आरोप कि भारत के आंकड़े विशिष्ट तौर पर अविश्वसनीय हैं, हमारी विकास की दिशा के साथ मेल नहीं खाते। माल और सेवा कर (जीएसटी) के अंतर्गत टैक्स संग्रह में जो वृद्धि हुई और इसने अनुपालन की जिस संस्कृति को पैदा किया है वह एक दशक पहले नहीं थी। वर्ष 2024-25 में सकल जीएसटी संग्रह 22 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रहा। यानी औसतन प्रति माह 1.8 लाख करोड़ रुपए जीएसटी का संग्रह किया गया। डिजिटल भुगतान ने वित्तीय प्रदर्शन का एक और निशान छोड़ा है। नवंबर 2025 में यूपीआई के जरिए 26 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रकम के 20 अरब लेन-देन किए गए। ये वृहत और परखे जाने योग्य आंकड़े परिमापन, सत्यापन और तौरतरीकों में सुधार के लिए संभावना का विस्तार करते हैं।कल्याण और समावेशन में परिमापित परिणाम इस नियतिवाद की और हवा निकाल देते हैं। नीति आयोग के राष्ट्रीय बहुआयामी निर्धनता सूचकांक के अनुसार 2013-14 और 2022-23 के बीच लगभग 24 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से बाहर आ गए। अब बहुआयामी निर्धनता लगभग 30 प्रतिशत से घट कर तकरीबन 11 प्रतिशत रह गई है। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) से डिलीवरी दुरुस्त हुई है। वर्ष 2025 में 45 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण हुआ। डीबीटी काल में धन के अपव्यय में कमी के जरिए 3.5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रकम की बचत हुई। वित्तीय समावेशन 56 करोड़ से ज्यादा जन धन खातों के साथ अब सार्वजनिक अवसंरचना बन गया है।वित्तीय अनुशासन में सुधार के प्रभाव अब दिखाई देने लगे हैं। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल गैरनिष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) 2018 में 11.2 प्रतिशत से घट कर 2025 में 2.1 प्रतिशत रह गई है। यह सिर्फ खयाली पुलाव बनाने से नहीं हुआ। यह बैलेंस शीट्स की लगातार सफाई, सख्त निगरानी और एक ऐसे तंत्र को प्रतिबिंबित करता है जिसने सदाबहार ऋण और गुप्त हानियों की गुंजाइश को समय के साथ घटाया है। जब आलोचक कहते हैं कि शासन सुधार नहीं कर सकता तो यह आडंबरहीन कायाकल्प उनके लिए पहला जवाब है।

भारत बड़े पैमाने पर निर्माण नहीं कर सकता यह आरोप लगाने वाले मैन्युफैक्चरिंग परिवेश में हुए बदलावों को नजरअंदाज करते हैं। उत्पादन-से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) कार्यक्रम के तहत, 14 क्षेत्रों में 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश हुआ है जिससे 18 लाख करोड़ रूपए से ज्यादा का अतिरिक्त उत्पादन और बिक्री हुई और 12 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिला है। इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र इसका सबसे सटीक उदाहरण है: साल 2024-25 में इलेक्ट्रॉनिक्स का कुल उत्पादन 11 लाख करोड़ रुपये के पार पहुँच गया। इसमें अकेले मोबाइल फोन का उत्पादन 5.5 लाख करोड़ रुपये रहा और मोबाइल का निर्यात लगभग 2 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया। ये दुनिया के सबसे कठिन क्षेत्र के बाजार की परीक्षा है जिसमें भारत सफल रहा है।व्यापार में आपकी पकड़ बेहतर प्रदर्शन और निरंतर टिके रहने से बनती है, न कि केवल निराशा जताने से। साल 2024-25 में सामान और सेवाओं का कुल निर्यात 825 अरब अमरीकी डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया। टैरिफ और संरक्षणवादी प्रतिक्रियाओं की इस दुनिया में साझेदार आपकी क्षमता के आधार पर फैसला करते हैं। भारत की स्थिति तब और मजबूत होती है जब दुनिया उसे एक ऐसे बाजार के रूप में देखती है जो बड़े पैमाने पर उत्पादन करता है और खरीदता भी है और अब देश जरूरी क्षेत्रों में भरोसेमंद तरीके से अलग-अलग तरह की आपूर्ति कर सकता है। घरेलू सुधार और बाहरी दुनिया से जुड़ाव मिलकर भारत को मजबूत बनाते हैं और यही मजबूती हमें व्यापार के क्षेत्र में और मजबूत बनाती है। किसी भी देश की प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति केवल एक योजना या एक मंत्रालय से नहीं अती, बल्कि यह बुनियादी ढांचे, लॉजिस्टिक्स और प्रशासनिक सुधारों के मिले जुले प्रभाव का परिणाम होती है। भारत में यह सुधार औद्योगिक गलियारों, मालगाड़ियों की बेहतर कनेक्टिविटी, बंदरगाहों के बेहतर जुड़ाव और एक साथ काम करने वाले डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के रूप में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं, जिससे समय की बचत होती है। इसका मतलब यह नहीं है कि सभी बाधाएं खत्म हो गई हैं बल्कि महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार ने अब व्यवस्था बनाने, प्रक्रियाओं को आसान बनाने और बड़े पैमाने पर परिणाम देने की अपनी क्षमता को साबित किया है। सही तरीके से काम करने से उत्पादकता हफ्तों में नहीं बढ़ती बल्कि इसमें कई वर्ष लग जाते हैं।कृषि और ग्रामीण क्षेत्र में कमियां गिनाना और यह मान लेना आसान है कि कुछ भी ठीक नहीं हो सकता। अब नीति का रुख बदल गया है। अब सरकार का ध्यान सीधे तौर पर मदद पहुँचाने और ऐसी संपदा बनाने पर है, जो उत्पादकता और सम्मान दोनों बढ़ाती है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण जल जीवन मिशन है, आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 12.5 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण घरों में नल से पानी का कनेक्शन पहुँचाया गया है। इससे न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार हुआ है, बल्कि परिवारों पर पानी भरने के बोझ कम हुआ है और समय की बर्बादी भी कम हुई है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

संक्षिप्त समाचार...

बाइक-स्कूटर की भिड़ंत में रेलवे तकनीशियन की मौत, तीन घायल

हरिद्वार (संवाददाता)। शहर कोतवाली क्षेत्र के पुराना औद्योगिक इलाके में हिल बाईपास मार्ग पर शनिवार को मोटरसाइकिल और स्कूटर की टक्कर में रेलवे के तकनीशियन की मौत हो गई। हादसे में बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दो घायलों को हालत नाजुक होने पर एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है। यह हादसा शुक्रवार रात दस बजे हिल बाईपास स्थित मारुति टू वैल्यू स्टोर के सामने हुआ। कापुर भट्टपुरा, थाना रजतपुर जिला मुरादाबाद उत्तर प्रदेश निवासी मोनित इन दिनों ज्वालापुर में रेलवे स्टेशन पर तकनीशियन के पद पर कार्यरत थे। वह स्कूटर से ड्यूटी के लिए हरिद्वार की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही मोटरसाइकिल से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन सड़क पर काफी दूर तक घिसटते चले गए। सूचना पर शहर कोतवाली प्रभारी रितेश शाह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल भेजा गया। मेला अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के मोनित को मृत घोषित कर दिया। घायल बाइक सवारों की पहचान प्रदीप उर्फ भास्कर (23) निवासी टिबड़ी रानीपुर, राहुल (35) निवासी बुलंदशहर और अंतरिक्ष (24) निवासी टिबड़ी रानीपुर के रूप में हुई है। प्राथमिक उपचार के बाद राहुल और अंतरिक्ष को गंभीर हालत में एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया। प्रदीप का उपचार मेला अस्पताल में चल रहा है। शहर कोतवाल रितेश शाह ने बताया कि दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

भूपतवाला क्षेत्र में रविवार को छह घंटे की बिजली कटौती

हरिद्वार (संवाददाता)। ऊर्जा निगम के कर्मचारी आज भूपतवाला क्षेत्र में बिजली लाइनों की मरम्मत का काम करेंगे। इस वजह से दिन में छह घंटे तक बिजली कटौती होगी। कटौती के दौरान क्षेत्र की बड़ी आबादी को परेशानी उठानी पड़ेगी। दिन में लोगों के जरूरी काम प्रभावित होंगे। ऊर्जा निगम रविवार को सब स्टेशन भूपतवाला के पावनधाम फीडर पर एलटी कैपेसिटर बैंक स्थापित करने का काम करेगा। मरम्मत के लिए सुबह 10:30 बजे फीडर से बिजली की आपूर्ति बंद होगी। काम पूरा होने के बाद शाम को 4:30 बजे तक बिजली की सप्लाई चालू होने की सूचना है। बिजली कटौती से क्षेत्र की करीब छह हजार की आबादी को बड़ी दिक्कतें उठानी पड़ेगी। बिजली आपूर्ति बंद होने से क्षेत्र में फोटो कॉपी, कंप्यूटर संबंधित कार्य, कॉमन सर्विस सेंटर, वेल्डिंग, आटा चक्की और अन्य बिजली से संचालित होने वाले काम बाधित होंगे। इसके साथ बेकरी, मिठाई, कंफेक्शनरी आदि छोटे दुकानदारों को भी परेशानी उठानी होगी। कटौती के दौरान मेन रोड क्षेत्र, पावनधाम क्षेत्र, आरटीओ चौक क्षेत्र, गैस एजेंसी क्षेत्र आदि में लोगों की दिनचर्या प्रभावित होगी। दिन में लोगों को पानी की किल्लत से जूझना पड़ेगा। वहीं, ईई दीपक सैनी ने बताया कि उप केंद्र हरिद्वार क्षेत्र में 27 फरवरी तक एलटी कैप्सिटर बैंक लगाने का काम होना है। उन्होंने बताया कि बिजली सप्लाई सुचारु रखने के लिए मरम्मत की जाएगी। लोगों को कटौती की सूचना पूर्व में उपलब्ध कराई गई है। ..... बागरो फीडर बंद होने से पांच हजार लोग परेशान रहे : ऊर्जा निगम ने शनिवार को उप संस्थान भूपतवाला से पोषित फीडर बागरो पर एलटी कैपेसिटर बैंक लगाने का काम किया। मरम्मत के लिए सुबह 10:30 बजे फीडर को बंद किया गया। काम पूरा होने के बाद शाम 4:30 बजे तक क्षेत्र में बिजली की सप्लाई सुचारु हो सकी। इस दौरान क्षेत्र की करीब पांच हजार की आबादी को परेशानी उठानी पड़ी।

पालिका अध्यक्ष ने किया सड़क का लोकार्पण

हरिद्वार (संवाददाता)। शिवालिक नगर पालिका स्थित वार्ड 11 सुभाष नगर में शनिवार को सड़क का लोकार्पण पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा ने किया। उन्होंने बताया कि लोकार्पित कार्यों में सी 6, सी 7 एवं ए 12 की मुख्य सड़क सहित ए 10 व ए 11 की आंतरिक सड़कों का निर्माण शामिल है। इन सड़कों का निर्माण आधुनिक मानकों एवं गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए किया गया है। स्थानीय नागरिकों द्वारा समय-समय पर सड़क निर्माण की आवश्यकता को उठाया गया था। इसे गंभीरता से लेते हुए नगर पालिका प्रशासन ने प्राथमिकता के आधार पर कार्य स्वीकृत कराया और निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराया। उन्होंने आश्वस्त किया कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाएगा। इस दौरान सभासद राधेश्याम कुशवाहा, डॉ. राजकुमार यादव, अनिल राणा, भाजपा मंडल अध्यक्ष कैलाश भंडारी, गौरव गुर्जर, अंशुल शर्मा, पवनदीप, किरन सिंह, शांति देवी, ईशांत तनेजा, जानवी देवी, पूनम देवी, सुदा, उपेंद्र, पूजा, हरबीर सिंह, हर्ष चौधरी, हर्षित चौधरी, पंकज मलिक, अनीता शर्मा, सौरभ सक्सेना, पवन, कार्तिक बक्शी, आदित्य मलिक, राजकुमार, अक्षय चौधरी, राजपाल, विनय अग्रवाल व शिवपूजन आदि उपस्थित रहे।

प्रारंभिक शिक्षा निदेशक पर जानलेवा हमला, शिक्षा निदेशालय में मचा हड़कंप

-भाजपा विधायक काऊ और उनके समर्थकों पर मारपीट और तोड़फोड़ का आरोप

देहरादून (संवाददाता)। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून स्थित प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय के दफ्तर में घुसकर भाजपा विधायक और उनके समर्थकों द्वारा अफसर के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि भाजपा विधायक उमेश शर्मा काऊ अपने समर्थकों के साथ शिक्षा निदेशक अजय कुमार नौडियाल के दफ्तर पहुंचे और विवाद के बाद मारपीट और तोड़फोड़ की। मारपीट में अफसर के सिर पर गहरी चोट भी आई है। प्राइमरी एजुकेशन के डायरेक्टर अजय कुमार नौडियाल ने कहा- हमले की वजहें वही (विधायक) बेहतर जानते हैं। भाजपा विधायक उमेश शर्मा काऊ पर आरोप लगाते हुए कहा- वे एक स्कूल का नाम बदलने के लिए ऑफिस आए थे। हमने उनसे कहा कि नाम तभी बदला जा सकता है जब राज्य सरकार के लेवल से ऑर्डर आ जाएं। हमने बस इतना ही कहा था। अफसर का आरोप है कि विधायक के साथ करीब 20-25 लोग और भी थे। शुरू से ही गाली-गलौज करते हुए आए और कमरा बंद कर दिया। मेरे सिर पर चोटें लगी हैं। आंख के अंदर भी हैं। ऑफिस के अन्य लोगों को भी चोटें आई हैं। शुरू से ही गाली-गलौज

करते हुए आए और कमरा बंद कर दिया। विधायक जी के साथ कमरे के अंदर 20-25 लोग और भी थे। घटना के बाद कर्मचारियों में दहशत और भारी आक्रोश व्याप्त है। कर्मचारियों का कहना है कि यदि किसी मुद्दे पर असहमति थी तो इसका समाधान प्रशासनिक स्तर पर निकाला जा सकता था। इस तरह सरकारी दफ्तर में घुसकर मारपीट और हमला करना अस्वीकार्य है। इस घटना के बाद से सरकारी कार्यालयों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। हालांकि इस मामले में दोनों पक्षों का अलग-अलग बयान है।

राजपुर एफसी और जीयू एफसी का जीत से आगाज

देहरादून (संवाददाता)। खड्क बहादुर टूर्नामेंट समिति की ओर से आयोजित 56 वें अमर शहीद खड्क बहादुर बिष्ट मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट में राजपुर एफसी और जीयू एफसी ने जीत से आगाज किया। रायपुर स्थित महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में शनिवार से शुरू हुए टूर्नामेंट में दून यूनाइटेड व राजपुर एफसी के बीच उद्घाटन मैच खेला गया। खेल के 21 वें मिनट में राजपुर एफसी के फारवर्ड आर्यन नेगी ने गोल दागकर टीम का खाता खोला। 32 वें मिनट में प्रियांशु ने गोल दाग बढ़त को 2-0 कर दिया। 34 वें मिनट में दून यूनाइटेड के नीरज ने शानदार गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया। 52 वें मिनट में राजपुर एफसी के आदित्य कुल्हान गोल दागकर टीम को 3-1 से जीत दिला दी। आदित्य को मैन ऑफ द मैच चुना गया। जीयू एफसी व महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के बीच खेला गया मैच संघर्षपूर्ण रहा। दोनों ही टीमों को कई मौके मिले लेकिन अग्रिम पंक्ति के खिलाड़ी गोल करने से चूक गए। निर्धारित समय तक स्कोर 0-0 रहा। टाईब्रेकर तक पहुंचे मैच में जीयू एफसी ने 5-4 से बाजी मारी। जीयू एफसी के लिए विवेक, पीरू, अंकित, निर्भय व यश ने गोल किए। जबकि स्पोर्ट्स कॉलेज के लिए राहुल, सक्षम, आयुष व भावेश ही गोल करने में सफल रहे।

कूर्मांचल सांस्कृतिक एवं कल्याण परिषद ने किया होली मिलन समारोह का आयोजन

देहरादून (संवाददाता)। कूर्मांचल सांस्कृतिक एवं कल्याण परिषद की कांवली शाखा में शनिवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें राज्य की पारंपरिक और सांस्कृतिक रंगों की बहार दिखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ कैंट विधायक सविता कपूर, उद्योगपति नीरज पंत,शाखा अध्यक्ष भारती पांडे ,भाजपा महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल,रजनीश त्रिवेदी,भाजपा नेता आदित्य चौहान,जोगेन्दर पुंडीर और रेनू घेल ने किया। समारोह में शाखा की सदस्यों द्वारा पारंपरिक चीर बंधन की प्रस्तुति के साथ होली गीतों का आयोजन किया गया। बीना जोशी, रमा, बीना भट्ट, कमला पंत, कमला जोशी, प्रेमलता बिष्ट, भारती पांडे, दया बिष्ट, बबीता शाह और पुष्पा पंत ने "सिद्धि करो महाराज होली के दिन मेंङ्ख" जैसे पारंपरिक गीतों के माध्यम से गणपति और गौरा महेश की स्तुति कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। एजीएम की प्रतिभा श्रीवास्तव के छात्र-छात्राओं ने गणेश व सरस्वती वंदना और होली नृत्य प्रस्तुत किया, वहीं सुरभि डांस अकादमी की छात्राओं ने "मनमोहन खेले होली" पर मनमोहक नृत्य से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। निशा मार्कंडेय के छात्रों ने "दिगंबर होली खेले मशाने में" की प्रस्तुति से खूब सराहना बटोरी, जबकि सोनल डांस अकादमी की छात्राओं ने "जग नंदिनीङ्ख" स्तुति गीत पर प्रस्तुति देकर दर्शकों का दिल जीत लिया। चित्रांशी ने योग नृत्य की एकल प्रस्तुति से खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम में शिवालिक पुरम, कांवली, विवेक विहार, बसंत विहार और यमुना कॉलोनी की महिलाओं ने पारंपरिक कुमाऊँनी होली गीतों "आओ ब्रजराजङ्ख", "नवल बसंतङ्ख", "अवधपुरी मेंङ्ख" और "अजब होली खेले हमारे भोले बाबाङ्ख" की सामूहिक प्रस्तुतियां दीं। इसके बाद फूलों और रंगों से जमकर होली खेली गई। इस अवसर पर परिषद के केंद्रीय अध्यक्ष कमल रजवार, केंद्रीय महासचिव गोविन्द पांडे, विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारी, कांवली शाखा संरक्षक केसी जोशी, पीसी लोशाली, शोभन सिंह ठठोला, कार्यक्रम संयोजक चंद्र किशोर पंत, दीपक पाण्डेय, उमा कोठारी, डॉ. ललिता लोहानी, मीनाक्षी लोहानी, रमेश भंडारी, जगमोहन बिष्ट, रमेश पांडे, तारा कोरंगा, हरीश महेरा, प्रीती खेतवाल, डॉ. कमला पंत, चंद्रशेखर तिवारी, भूपेंद्र सिंह डसीला, आशा जोशी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक जोखिम

नौकरी के नाम पर बेरोजगार युवकों से 2.10 लाख की ठगी

नई टिहरी(संवाददाता)। टीएचडीसी के अधीन कार्य कर रही निटकॉन कंपनी में नौकरी लगाने के नाम पर 2.10 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित बेरोजगार युवकों ने पुलिस को दी तहरीर में आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पिपोला निवासी अंकित कंडवाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया गया कि वह रुद्रपुर में प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता था। इस दौरान उसके चाचा कैलाश चंद ने बताया कि गोविंद रतूड़ी नाम का एक व्यक्ति खुद को टीएचडीसी में कार्यरत बताता था। वह कुछ पैसे लेकर नौकरी लगा रहा है। उन्होंने खुद भी उस व्यक्ति को नौकरी लगाने के लिए 30 हजार रुपये दिए हैं। पीड़ित ने बताया कि उसके भाई अमित कंडवाल भी आरोपी गोविंद से अगस्त 2025 में मिला था। तब उसने टीएचडीसी के अधीन कार्य कर रही कंपनी निटकॉन में नौकरी लगाने का आश्वासन दिया था। नौकरी लगाने के बदले उसने हमसे 60 हजार रुपये मांगे। पीड़ित ने कहा कि नौकरी लगने के लालच में दोनों भाइयों ने आरोपी को अलग-अलग तिथियों में गूगल पे कर 60 हजार रुपये दे दिए। पैसे लेने के बाद आरोपी गोविंद ने निटकॉन कंपनी में नौकरी लगाने का नियुक्ति पत्र दे दिया और छह नवंबर को आने को कहा। हम दोनों भाई नवंबर में उससे मिलने गए तो वह टालमटोल करने लगा। कई दिनों बाद पता चला कि गोविंद रतूड़ी फ्रॉड व्यक्ति है। जानकारी मिली कि उसने हम दोनों भाइयों के अलावा नौकरी लगाने के नाम पर पिपोला गांव के छह-सात लोगों से करीब 2.10 लाख रुपये लिए हैं। इसी तरह छोलगांव और अन्य गांव के लोगों से भी उसने नौकरी के नाग पर ठगी की है। पीड़ित बेरोजगार युवकों ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपी गोविंद रतूड़ी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर उनसे ठगी की गई 2.10 लाख रुपये वापस दिलाने की गुहार लगाई है। नौकरी के नाम पर ठगी करने की प्राथमिकी दर्ज कर दी गई है। जांच में पता चला है, कि आरोपी ने कई लोगों से पैसे लिए हैं। सभी साक्ष्य एकत्रित करने के बाद आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा।

तीन साल पहले आपदा में टूटा भवन, मुआवजे के लिए भटक रहा परिवार

चमोली(संवाददाता)। तीन साल पहले बरसात में पीएम आवास योजना से निर्माणाधीन भवन ध्वस्त हो गया था। इसके बाद से पीड़ित परिवार मुआवजे के लिए भटक रहा है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से मुआवजा दिलाने की मांग की है। गोपेश्वर के पाडुली गांव निवासी सुरेश लाल ने बताया कि उनका प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर स्वीकृत हुआ था। उन्हें प्रथम किश्त के तौर पर एक लाख 80 हजार रुपये मिले जिससे उन्होंने भवन निर्माण करवाया लेकिन 2022 में निर्माणाधीन भवन आपदा में ध्वस्त हो गया। उन्होंने कर्ज लेकर फिर निर्माण शुरू किया लेकिन 2024 की बरसात में बोल्डर आने से मकान पूरी तरह से ध्वस्त हो गया। वे शुरू से मुआवजा दिलाने की मांग कर रहे हैं लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। परिवार वर्तमान समय में ब्रह्मसैंण में किराये पर निवास कर रहा है। सुरेश लाल ने बताया कि वह मजदूरी करता है, जिसमें मकान का किराया चुकाना और परिवार को पालना संभव नहीं हो पा रहा है। कई महीनों का किराया बकाया चल रहा है। उन्होंने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि उन्हें अन्यत्र विस्थापित कराया जाए, जिससे परिवार को स्थाई छत मिल सके। उनका कहना है कि प्रशासन ने शुरू में मुआवजे का आश्वासन दिया, लेकिन तीन साल बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। जहां भवन निर्माणाधीन था वहां अब जमीन भी धंस रही है, ऐसे में वहां रहना संभव नहीं है।वहीं जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदकिशोर जोशी ने बताया कि आपदा प्रभावित को मुख्यमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहायता देने के लिए लिखा गया है। इस संबंध में जानकारी ली जाएगी।

मातृ भाषाएं और लोक भाषाओं के प्रयोग से ही बचेगा इनका अस्तित्व

नई टिहरी(संवाददाता)। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के पर राजकीय महाविद्यालय में हिंदी विभाग की ओर से स्थानीय भाषा प्रकोष्ठ के बैनर तले स्थानीय बोली-भाषा पर परिचर्चा की गई। चर्चा में उपस्थित लोगों ने अपनी-अपनी स्थानीय भाषा में प्रचलित शब्दों का प्रयोग करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। गोष्ठी में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. प्रणिता नंद ने कहा कि मातृ भाषाएं और लोक भाषाएं हमारी दैनिक दिनचर्या में जब प्रयोग होगी तब ही उस भाषा का अस्तित्व बचा रहेगा। अपनी दिनचर्या से हम अपनी मातृ भाषा को हटा देंगे तो वह विलुप्त हो जाएगी। स्थानीय भाषा प्रकोष्ठ के संयोजक और हिंदी विभाग के प्रभारी डॉ. जितेंद्र नौटियाल ने परिचर्चा की। इस मौके पर डॉ. विक्रम सिंह बर्त्वाल, आदित्य सिंह, छात्र संघ उपाध्यक्ष राहुल, प्रीति आदि मौजूद थे।

कुलिंग ग्राम पंचायत में तैनात हो प्रशासक, एसडीएम को भेजा पत्र

चमोली(संवाददाता)। विस्थपित ग्राम पंचायत कुलिंग के निवर्तमान ग्राम प्रधान ने एसडीएम को पत्र लिखकर गांव में प्रशासक की तैनाती की मांग की। वर्ष 2018 की आपदा से प्रभावित कुलिंग ग्राम पंचायत के 65 परिवारों को करीब छह किमी दूर दीदना तोक में विस्थापित किया गया था लेकिन दीदना में सड़क व स्कूल की सुविधा नहीं दी। 2008-09 में नौ किमी सड़क को अब तक सैद्धांतिक स्वीकृति नहीं मिली। कुलिंग के ग्रामीणों ने दीदना गांव में सड़क जाने के बाद ही गांव की सरकार बनाने के निर्णय के तहत पंचायत चुनाव का बहिष्कार किया था। ऐसे में यहां ग्राम पंचायत का गठन नहीं हो पाया। अब निवर्तमान ग्राम प्रधान हुकम सिंह बिष्ट ने एसडीएम को भेजे पत्र में बताया कि प्रशासनिक सहित कार्य के संपादन के लिए प्रशासक नियुक्त नहीं किया गया है।

ट्यूबवेल पंप से आबकी गांव में पानी की समस्या का होगा समाधान

नई टिहरी(संवाददाता)। प्रतापनगर के ग्राम पंचायत आबकी में वर्षों से पेयजल समस्या बनी है। ग्रामीणों को पेयजल समस्या से निजात दिलाने के लिए विधायक विक्रम नेगी ने गांव में ट्यूबवेल पंप के लिए सात लाख रुपये की स्वीकृति करवाई है। आबकी गांव की जनसंख्या पांच सौ से अधिक है। गर्मियों में गांव के आसपास प्राकृतिक पेयजल स्रोतों पर पानी सूखने से ग्रामीणों के सामने पेयजल की संकट खड़ा हो जाता है। हालांकि गांव में जल जीवन मिशन के पेयजल लाइन बिछी है लेकिन गर्मियों में पेयजल स्रोतों पर पानी कम होने से पानी की नियमित आपूर्ति नहीं हो पाती है। ग्रामीणों को कई किमी दूर से पानी ढोना पड़ता है। ग्रामीण लंबे समय से शासन-प्रशासन से पेयजल की समस्या से निजात दिलाने की मांग करते रहे हैं। पेयजल का स्थायी समाधान नहीं होने के कारण ग्रामीणों को गर्मी में सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ती है। ग्रामीणों की मांग पर प्रतापनगर विधायक नेगी ने ट्यूबवेल के निर्माण के लिए सात लाख की धनराशि स्वीकृत करवाई है। उन्होंने बताया कि ट्यूबवेल का निर्माण कार्य जल निगम के विद्युत नियंत्रण विभाग को दिया गया है। ट्यूबवेल निर्माण कार्य जल्द शुरू करवा दिया जाएगा। गांव के नीचे सड़क पर लगने वाले ट्यूबवेल से आबकी गांव के लिए पानी की लिफ्टिंग की योजना है। लिफ्टिंग के अवशेष कार्य के लिए जिला योजना से अतिरिक्त धनराशि की स्वीकृत करवाई जाएगी।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पद पर नहीं बनी सहमति, दो के नाम भेजे पैनल में

चमोली(संवाददाता)। शनिवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की संगठन सृजन की बैठक आयोजित हुई। बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष पद पर किसी एक के नाम पर सहमति नहीं बनने से दो दावेदारों के नामों का पैनल हाईकमान को भेजा गया। पार्टी के संगठन सृजन के पर्यवेक्षक लक्ष्मण रावत, विधान सभा प्रभारी हरीश चौहान की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष के लिए वर्तमान ब्लॉक अध्यक्ष नरेंद्र सिंह रावत, संजय नेगी और नीरज पुरोहित ने दावेदारी की। रायशुमारी के बाद नीरज पुरोहित ने नाम वापस ले लिया। लेकिन किसी एक के नाम पर सहमति नहीं बन पाई। जिसके चलते पार्टी हाईकमान के लिए पैनल में नाम भेज दिए गए हैं। विधानसभा प्रभारी हरीश चौहान ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस को एकजुट होकर काम करना पड़ेगा। प्रदेश की कानून व्यवस्था पटरी से उतरी है। महिला ही नहीं बल्कि पूरा प्रदेश असुरक्षित है। ऐसे में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सरकार की गलत नीतियों को लोगों तक पहुंचाना होगा। बैठक में ब्लॉक महिला अध्यक्ष ऊषा रावत, जिला महा मंत्री जन संपर्क संदीप कुमार पटवाल, विजेंद्र रावत, देवेंद्र रावत, चंद्र सिंह नेगी, सुदर्शन रावत, मनमोहन नेगी आदि मौजूद थे।

नंदाकिनी क्लस्टर नंदानगर करेगी कौणी का उत्पादन, निजी फर्म के साथ हुआ एमओयू

चमोली(संवाददाता)। ग्राम उत्थान परियोजना (रीप) के अंतर्गत आने वाली नंदाकिनी क्लस्टर नंदानगर की महिलाएं कौणी का उत्पादन करेंगी। इसे एक निजी फर्म खरीदेगी। फर्म ने नंदाकिनी क्लस्टर के साथ एमओयू किया है। फर्म पहले नंदाकिनी क्लस्टर से कौणी के बीज खरीदेगी। खरीदे बीजों को वे उन्हीं क्लस्टर को उत्पादन के लिए देंगे। उत्पादन होने के बाद उसी कौणी को खरीदा भी जाएगा। इससे 250 से अधिक महिलाओं को घर बैठे की अच्छा रोजगार मिलेगा और उनकी आर्थिकी मजबूत होगी।महिलाओं को स्थानीय स्तर पर आसानी से रोजगार मिल जाए। इसके लिए रीप की ओर से विभिन्न निजी कंपनियों से लगातार वार्ता की जा रही है। चमोली जनपद के नंदानगर के नंदाकिनी क्लस्टर के साथ एक निजी फर्म ने एमओयू किया है।. .... पहाड़ में विभिन्न प्रकार के स्थानीय उत्पाद है। ऐसे में स्थानीय महिलाओं के सहयोग से इन उत्पादों का उत्पादन किया जा रहा है। साथ की बड़ी बड़ी कंपनियों से इन्हें खरीदने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। कई कंपनियां पहाड़ी उत्पादों को खरीदने में रुचि दिखा रहे है। जिससे की महिलाओं को आसानी से रोजगार मिल रहा है। और वे अच्छी आमदनी कर रहे हैं।

दो दिवसीय सेमीनार का हुआ समापन, 60 से अधिक शोध पत्रों का हुआ वाचन

चमोली(संवाददाता)। डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद की ओर से आयोजित दो दिवसीय सेमीनार शनिवार को संपन्न हो गया है। सेमीनार में देश के विभिन्न क्षेत्रों के 60 शोधार्थियों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से अपने शोध पत्रों का वाचन किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. शिक्षा सेमवाल ने कहा कि प्राचीन और मध्यकालीन भारत हर दृष्टि से आत्मनिर्भर था। उन्होंने कहा कि सतत विकास के माध्यम से ही आत्मनिर्भर भारत आगे बढ़ सकता है। प्राचार्य प्रो. राम अवतार सिंह ने कहा कि दो दिवसीय संगोष्ठी के में शोधार्थियों की ओर से उल्लिखित शोध पत्र आत्मनिर्भर भारत के विकास की नींव का पत्थर साबित होगा।

वनों को आग से बचाने के लिए जागरूकता अभियान का होगा आयोजन

चमोली(संवाददाता)। वन पंचायत परामर्शदात्री समिति के अध्यक्ष गोविंद राम सोनी ने शिक्षण संस्थाओं, वन विभाग व क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न विभागों के अधिकारियों से पर्यावरण को बचाने के लिए जनजागरूकता अभियान में सहयोग की अपील की। समिति के अध्यक्ष ने विभागों के अधिकारियों को भेजे पत्र में कहा कि ग्रीष्मकाल में वन्य क्षेत्र में अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए जन जागरूकता अभियान अति आवश्यक है। वनों में आग लगने से पर्यावरण प्रदूषित व वन्यजीव मारे जाते हैं। उन्होंने कहा कि शीघ्र विकासखंड स्तर पर वनाग्नि सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत रैली व गोष्ठी का आयोजन होगा। उन्होंने सभी से सहयोग की अपील की।

गढ़वाली भाषण प्रतियोगिता में पल्लवी, काव्य पाठ में लक्ष्मी प्रथम

चमोली(संवाददाता)। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर में अंतरराष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस को गढ़वाली भाषा संरक्षण दिवस के रूप में मनाया गया। अंग्रेजी विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं की भाषण, काव्यपाठ, औखांण सहित अन्य प्रतियोगिताओं में भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में पल्लवी प्रथम,कार्तिक द्वितीय और दिया तृतीय स्थान पर रहीं। गढ़वाली काव्य पाठ में लक्ष्मी प्रथम, कार्तिक द्वितीय और जसवंत तृतीय स्थान पर रहे। वहीं, औखांण प्रतियोगिता में जसवंत प्रथम स्थान पर रहे। गढ़वाली लोक गीत में अपेक्षा प्रथम, उमा द्वितीय और जसवंत तृतीय रहे। लोक नृत्य में गायत्री प्रथम, अपेक्षा द्वितीय और आरती तृतीय स्थान

हिन्दी दैनिक जोखिम

सवर्ण में बड़ा जन आक्रोश रैली में दिखा

हल्द्वानी (संवाददाता)। /आज स्वर्ण शक्ति संगठन के द्वारा महाआक्रोश रैली राम लीला मैदान से डीएम कार्यालय तहसील थाना होते हुए डीएम कार्यालय पहुंची और सवर्ण में बड़ा जन आक्रोश रैली में दिखा रैली का संचालक सवर्ण शक्ति संगठन के संयोजक प्रकाश हरबोला जी व भुवन भट्ट के द्वारा आयोजित की गई है प्रकाश हरबोला जी द्वारा कहा गया कि सवर्ण संगठन अभी सरकार को केवल चौताया गया हैं उन्होंने कहा कि हम स्वर्ण समाज यूजीसी कानून 2026 के सामान्य वर्ग के छात्रों को भाई है कि उपरोक्त नियमों को निजी देश को पूरा करने का माध्यम बन सकता है 2025 के मसौदे की छोटी शिकायतों के लिए दंडात्मक प्रावधान जिन्हें अंत में 2026 में नियमों से हटा दिया गया

यह बहुत गलत बात है हर बॉल जी ने कहा कि यह केवल एससी एसटी ओबीसी छात्रों की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हैं जबकि सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए भेदभाव की सम्मानों को नजर अंदाज कर रहे हैं।कार्यक्रम संह सयोजक भुवन भट्ट ने कहा की स्वर्ण समाज को अब नींद से जागना चाहिए बच्चों में भेदभाव वाला कानून हमें नहीं चाहिए समानता के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हुए यह जाति के आधार पर भेदभाव करते हैं इक्विटी बोर्ड में एससी एसटी ओबीसी महिला व दिव्यांग का प्रतिनिधि त्वकरते है अनिवार्य है जबकि सामान्य वर्ग के लिए कोई अनिवार्य प्रावधान नहीं है। भुवन भट्ट ने कहा कि समाज को बांटने का काम और जाति भेदभाव को बढ़ाने के लिए यह काला कानून आया है।राजनीति वोट बैंक के खातिर काला कानून को जगह दी गई है हम इसका भरपूर विरोध करते हैं और मरते दम तक ऐसे कानून को स्वीकार नहीं करेंगे स्वर्ण समाज शांत बैठा है इसका मतलब यह नहीं कि वह बोलेगा नहीं आप आज यह तो शुरुआत है आगे आने वाले समय में स्वर्ण महासम्मेलन किया जाएगा आप स्वर्ण सड़कों पर निकलेगा और अपने हक की आवाज को बुलंद करेगी कार्यक्रम में तेज सिंह कार्की, तरुण वानखेडे,लखन निगटिया, सीमा बत्रा,ज्योति अवस्थी,प्रताप जोशी, अनिता जोशी, काजल खत्री,बबीता जोशी,प्रभा खनका,परमजीत कौर,सुरेंद्र नरूला,अमर सिंह ऐरी,कंचन रौतेला,पूरन भट,दरबान सिंह योगेश शर्मा,शेखर ऐरी, असिस्टेंट कमांडेंट आरपी सिंह, मनोज अग्रवाल,योगेंद्र भट्ट,हर्षवर्धन पांडे, कैलाश जोशी, जीवन कार्की,नवीन पंत, सुरेंद्र नेगी, प्रमोद पंत,गोपाल भट्ट,राजेंद्र गुप्ता,,मनोज जोशी, रवि जोशी, गौरव तिवारी, योगेंद्र बिष्ट कीर्ति तिवारी, मदन मोहन जोशी, नारायण सिंह बिष्ट, नवीन भट्ट प्रमोद तोलिया,जगत सिंह बिष्ट, आशुतोष पंतपर्यावरण,राजू जीना, रवि जोशी।

झूठी जानकारियां साझा होने पर अधिवक्ता के माध्यम से ट्रस्ट सही जानकारियों के साथ सामने आया

नैनीताल (संवाददाता)। उत्तराखण्ड में नैनीताल के विश्वविख्यात कैंचीं धाम आश्रम की सोशियल मीडिया और पोर्टलों में झूठी जानकारियां साझा होने पर अधिवक्ता के माध्यम से ट्रस्ट सही जानकारियों के साथ सामने आया है। पचास वर्ष पुरानी ट्रस्ट ने अपनी जानकारियां साझा की।कैंचीं धाम ट्रस्ट के अधिवक्ता राजीव बिष्ट मीडिया के माध्यम से आज सामने आए और उन्होंने मंदिर ट्रस्ट से जुड़ी जानकारियां साझा की। उन्होंने बताया कि कैंचीं धाम को चैरिटेबल एंडोमेन्ट एक्ट

1890 के अंतर्गत 1974 में यू.पी.के राज्यपाल ने धाम की सारी संपत्ति ट्रस्ट के नाम की थी जिसके बाद छह मार्च 1974 को संपत्ति का गैजेट नोटिफिकेशन हुआ।नियमानुसार तब से अबतक ट्रस्ट के 13 सदस्य बदलते आ रहे हैं। इस ट्रस्ट का सरकार हर वर्ष ऑडिट करती है। 31 मार्च 2024 तक ऑडिट किया जा चुका है। मंदिर का आयकर रिटर्न भी फाइल किया जाता है और जो आरोप लगाए गए हैं वो बेबुनियाद और बिना जानकारी जुटाए लगाए गए हैं। उन्होंने साफ किया कि मंदिर में आए चढ़ावे की गिनती के लिए एस.बी.आई.ऑफ इंडिया की टीम, कैंचीं ट्रस्ट के साथ मिलकर गिनती कर उसे बैंक तक पहुंचाती है।अधिवक्ता राजीव ने कहा कि सोशियल मीडिया के साथ कुछ पोर्टल और न्यूज चौनल बिना पुष्टि के झूठी खबरें प्रचारित कर रहें हैं। उन्होंने न्यायालय में लंबित जनहित याचिका पर बोलते हुए सोशियल मीडिया, पोर्टलों और न्यूज चौनल से प्रार्थना की है कि वो सही जानकारियों के बिना उच्च न्यायालय की अवमानना न करेंबता दें कि, पिथौरागढ़ निवासी ठाकुर सिंह डसीला ने कैंचीं धाम में वित्तीय अनियमितता और उसके आसपास अतिक्रमण का आरोप लगाते हुए उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा।

सितारगंज में ड्राइंग के पेपर में 66 छात्र रहे अनुपस्थित

सितारगंज (संवाददाता)। उत्तराखण्ड बोर्ड की इण्टरमीडिएट परीक्षा शनिवार को शुरू हो गयी। सितारगंज ब्लॉक में 21 परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं। शनिवार को इण्टरमीडिएट ड्राइंग की परीक्षा आठ परीक्षा केंद्रों में सम्पन्न हुई। जिसमें

680 छात्र पंजीकृत थे। इसमें 614 छात्रों ने परीक्षा दी। 66 विद्यार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। एसडीएम रविंद्र जुवांठा ने सचल दल के साथ डीएस इण्टर कॉलेज कुंवरपुर सिसैया का औचक निरीक्षण किया। यहां कुल पंजीकृत 143 छात्र-छात्राओं में से 136 छात्र परीक्षा दे रहे थे। सभी केंद्रों में नकलविहीन परीक्षा सम्पन्न हुई। इस बार 21 परीक्षा केंद्रों में 400 बाहरी कक्ष निरीक्षकों की ड्यूटी लगायी गयी है। जबकि 21 केंद्र व्यवस्थापक व 21 कस्टोडियन की नियुक्ति की है।

विकास योजनाओं की जानकारी ली

हल्द्वानी (संवाददाता)। हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश ने आज यूएसडीडीए के निदेशक कुलदीप सिंह के साथ आवास पर बैठक कर हल्द्वानी में चल रही विकास योजनाओं की जानकारी ली। बैठक में हल्द्वानी विधानसभा क्षेत्र में नव-संलग्न वार्ड संख्या 34, 35, 36, 37, 48, 49 एवं 50 के लोग भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान क्षेत्रवासियों ने अपने-अपने वार्डों से संबंधित विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इनमें अधूरे पड़े विकास कार्य, पेयजल एवं सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी, जल निकासी व्यवस्था की दिक्कतें, स्ट्रीट लाइट, सीवर व्यवस्था तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं शामिल रहीं। स्थानीय नागरिकों ने दैनिक जीवन में आ रही कठिनाइयों को विस्तारपूर्वक विधायक एवं अधिकारियों के समक्ष रखा।विधायक सुमित हृदयेश ने सभी

समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की तथा अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से जुड़े सभी मुद्दों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यूएसडीडीए के निदेशक कुलदीप सिंह से कहा कि लंबित एवं अधूरे विकास कार्यों को शीघ्र गति प्रदान की जाए तथा प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि हल्द्वानी विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड का संतुलित एवं समुचित विकास उनकी प्राथमिकता है। विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि क्षेत्र की जनता का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है और वे जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध हैं।इस दौरान मौजूद महेशानन्द, शंकर लाल कमाण्डो, ऋशु, जगदीश भारती, हेम पाण्डे, मोहित सुयाल, लाल सिंह पवार, संजय जोशी मौजूद रहे।

पुलिस व खुफिया विभाग ने चलाया संयुक्त चौकिंग अभियान

सितारगंज, (संवाददाता)। बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे लोगों की धरपकड़ के लिए पुलिस व खुफिया विभाग ने संयुक्त चौकिंग अभियान चलाया। शुक्रवार से चलाये गये इस अभियान में बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन किया गया। पुलिस ने चौकिंग के दौरान वीजा समाप्ति के बाद भी रह रहे लोगों को चिह्नित करने के लिए खोजबीन की।

पुलिस ने इस्लामनगर, बलीनगर आदि क्षेत्रों में चौकिंग अभियान चलाकर अवैध अप्रवासियों, वीजा अवधि समाप्त होने के बाद रहने वाले लोगों एवं जाली दस्तावेजों या अवैध रूप से रहने वाले विदेशी नागरिकों की खोजबीन के लिए सत्यापन अभियान चलाया। इस दौरान 25 बाहरी संदिग्ध व्यक्तियों के दस्तावेजों की जांच की। मौके पर लोगों से बाहरी व्यक्तियों को अपने स्थलों में आश्रय देने से पूर्व पुलिस सत्यापन किए जाने के लिए जागरूक किया। यहां एलआईयू इंचार्ज भास्कर बडोला, सरकड़ा चौकी इंचार्ज पंकज कुमार, एएसआई राकेश रौकुली, किरन मेहता, तारा गड़िया मौजूद रहे।

होम डिलीवरी का प्रचार करने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया

पंतनगर (संवाददाता)। एसएसपी ऊधम सिंह नगर अजय गणपति के निर्देशन में पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए पंतनगर यूनिवर्सिटी परिसर में शराब की कथित होम डिलीवरी का प्रचार करने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया है।जानकारी के अनुसार 20 फरवरी 2026 को विश्वविद्यालय परिसर में समाचार पत्रों के भीतर संदिग्ध और आपत्तिजनक कार्ड वितरित किए जाने की सूचना पुलिस को मिली। कार्ड पर अंग्रेजी में लिखे संदेश से परिसर में शराब

व अन्य मादक पदार्थों की होम डिलीवरी की आशंका जताई गई, जिससे विश्वविद्यालय प्रशासन और स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर जांच शुरू की।

हिन्दी दैनिक जोखिम

अर्ली बड्स का द्वि-दिवसीय वार्षिक खेलकूद समारोह का भव्य आयोजन रुट्स ग्लोबल स्कूल भवानीपुर खुल्वे पीरूमदारा रामनगर में किया

रामनगर (संवाददाता)। रूट्स ग्लोबल स्कूल और शैमरॉक अर्ली बड्स का द्वि-दिवसीय वार्षिक खेलकूद समारोह का भव्य आयोजन रुट्स ग्लोबल स्कूल भवानीपुर खुल्वे पीरूमदारा रामनगर में किया गया।नन्हें खिलाड़ियों से विभिन्न खेलों में अपनी खेल प्रतिभा और अनुशासन का निशानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लॉक समन्वयक समन्वयक रामनगर मनोज तिवारी, ग्राम प्रधान विक्रम सिंह नेगी और राजेन्द्र सिंह गुसांई द्वारा रिबन काटकर और मार्च पास्ट की सलामी लेकर किया गया। प्रतिभागियों के दौरान छात्रों को विभिन्न सदनों में विभाजित कर छात्रों का शत-प्रतिशत प्रतिभाग कराया गया। दौड़ प्रतियोगिता 50,80, 100 और 200 मीटर कराई गई।विद्यालय की निदेशक निधि लिंगवाल, मनीष, प्रधानाचार्य रुचि मनराल ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों द्वारा विजेता खिलाड़ियों को पदक देकर सम्मानित किया गया।

रामनगर।भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष चंदन सिंह बिष्ट के नेतृत्व में एआई इम्पेक्ट समिट के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा की गई अराजकता एवं देश की छवि धूमिल करने के प्रयास के विरोध में शहीद स्मारक से लखनपुर चुंगी तक मार्च निकालकर लखनपुर चुंगी पर कांग्रेस का पुतला दहन किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा चन्दन सिंह बिष्ट ने कहा कि जब देश वैश्विक मंच पर तकनीकी प्रगति और नवाचार के क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है, तब इस प्रकार का अव्यवस्थित और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में व्यवधान डालना न केवल लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उल्लंघन है, बल्कि इससे देश की प्रतिष्ठा को भी आघात पहुंचता है।उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरोध लोकतंत्र का हिस्सा है लेकिन राष्ट्रहित से ऊपर कोई राजनीति नहीं हो सकती। भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी कृत्य को भारतीय जनता पार्टी और युवा मोर्चा कभी स्वीकार नहीं करेंगे।कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रहित में एकजुट रहने का संकल्प लिया। शांति और अनुशासन के साथ अपना विरोध दर्ज कराया।इस दौरान भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह खाती , ग्रामीण मंडल अध्यक्ष घनश्याम शर्मा , नगर मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा आकाश आर्या, युवा मोर्चा पिरुमदारा मंडल अध्यक्ष अर्जुन रावत,भाजपा नगर महामंत्री नवीन करगेती , शलभ मित्तल , मदन जोशी , सत्यप्रकाश शर्मा , कपिल रावत, यतिन रोतेला, रोहित मेहरा, छात्र संघ उपाध्यक्ष मनोज पाण्डेय, भाजपा नेता अनवर मलिक,नितेश शर्मा, रोहित बिष्टानिया, आकाश कश्यप, कंचन पांडेय, आशीष मेहरा, हिमांशु, विक्की, आकाश, संजीव सैनी, आशीष ठाकुर आदि मौजूद रहें।

रामनगर में एक बुजुर्ग महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

रामनगर (संवाददाता)। रामनगर में एक बुजुर्ग महिला ने अज्ञात कारणों के चलते घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शनिवार सुबह गोपाल सिंह बिष्ट पुत्र स्व0 मोहन सिंह बिष्ट निवासी पार्वती कुन्ती फेस-2 पीरुमदारा रामनगर द्वारा पीरुमदारा चौकी पर आकर सूचना दी कि उसकी माता शांताबाई बिष्ट उम्र-70 वर्ष ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। उक्त सूचना के आधार पर पीरुमदारा पुलिस द्वारा मौके पर जाकर देखा तो शांताबाई बिष्ट पत्नी स्व गोपाल सिंह बिष्ट निवासी पार्वती कुंज फेस-2 पीरुमदारा उम्र 70 वर्ष का शव दरवाजे की चौखट पर लटका हुआ था। मृतिका शांताबाई ने अपने स्कारप से फांसी लगाई थी। बताया जा रहा है कि मृतिका काफी समय से बीमार थी और डिप्रेशन में भी चल रही थी।वह अपने पुत्र गोपाल के साथ रहती थी।कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि सरकारी अस्पताल में मृतिका का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के असली कारणो का पता चल सकेगा।

पेंटिंग में 635 छात्र-छात्राएं अनुपस्थित रहे

रामनगर (संवाददाता)। उत्तराखंड शिक्षा बोर्ड की पहली परीक्षा कला यानी पेंटिंग में 635 छात्र-छात्राएं अनुपस्थित रहे हैं। शनिवार को बोर्ड के उप सचिव सुषमा गौरव ने बताया कि बोर्ड की पहली परीक्षा 1261 केंद्रों में इंटरमीडिएट की पेंटिंग कराई गई। बताया कि परीक्षा के लिए 12252 विद्यार्थी पंजीकृत किए गए थे। परीक्षा में 11617 उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि सोमवार को हाईस्कूल में म्यूजिक व टाइपिंग और इंटरमीडिएट में हिंदी व कृषि हिंदी की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

खतीब अहमद दोबारा बने उत्तराखण्ड राज्य हज कमेटी के अध्यक्ष

सितारगंज, (संवाददाता)। उत्तराखण्ड राज्य हज कमेटी के खतीब अहमद को पुनः अध्यक्ष नामित किया है। खतीब अहमद के अध्यक्ष निर्वाचित होने पर सितारगंज में भाजपा कार्यकर्ताओं व समर्थकों ने बधाई दी।राज्य सरकार ने खतीब अहमद को उत्तराखण्ड राज्य हज समिति में पुनः अध्यक्ष नामित किया गया है। खतीब अहमद ने शनिवार को कार्यभार ग्रहण करते हुये सीएम पुष्कर सिंह धामी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट, प्रदेश संगठन मंत्री अजय, कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा का आभार जताया। हज कमेटी अध्यक्ष खतीब अहमद ने कहा कि सरकार व संगठन ने जो जिम्मेदारी दी गयी है कर्तव्य, निष्ठा व लगन से पूरा करेंगे। पूर्व के कार्यकाल मे अधूरे रह गये कार्यों व हाजियों की सुविधाओं के लिए कार्य तत्परता से पूरे किये जायेंगे।खतीब अहमद पूर्व में अध्यक्ष, उत्तराखण्ड राज्य हज समिति, उत्तराखण्ड मदरसा शिक्षा परिषद (टॉस्क फोर्स) के अध्यक्ष, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष पदों पर भी दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। शनिवार को वक्फ बोर्ड अध्यक्ष शादाब शम्स, अधिशासी अधिकारी मोहम्मद आरिफ, मो. अहसान, अकरम साबरीने बुके देकर स्वागत किया गया। यहां मण्डी समिति सितारगंज के पूर्व अध्यक्ष अमरजीत कटवाल, अब्दुल शाहिद, रफत हुसैन, अब्दुल कादिर, इजहारूल हक, अरशद रजा, गुलशन, नफीस, अश्वनी, नितिन मौजूद रहे।

ऑनलाइन निवेश ठगी का बड़ा मामला सामने आया

हल्द्वानी (संवाददाता)। शहर में ऑनलाइन निवेश ठगी का बड़ा मामला सामने आया है, जहां शेयर ट्रेडिंग और आईपीओ में भारी मुनाफे का लालच देकर एक व्यक्ति से 37 लाख 85 हजार रुपये ठग लिए गए। पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।हल्द्वानी निवासी नृपेन्द्र कुमार सिंह के अनुसार, 2 नवंबर 2025 को उनकी फेसबुक आईडी पर एक लिंक आया। लिंक पर क्लिक करने के बाद उनके व्हाट्सएप पर 'सिया वर्मा' नाम की प्रोफाइल से संपर्क किया गया। आरोपी ने खुद को निवेश विशेषज्ञ बताते हुए शेयर ट्रेडिंग में अधिक मुनाफा दिलाने का भरोसा दिया और उन्हें एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ दिया।ग्रुप में कथित तौर पर शेयर मार्केट से जुड़े टिप्स, मुनाफे के स्क्रीनशॉट और सफल निवेश के दावे दिखाए जाते थे, जिससे पीड़ित का विश्वास बढ़ गया। इसके बाद उन्हें एक मोबाइल एप डाउनलोड कर अलग-अलग बैंक खातों में आरटीजीएस के माध्यम से पैसे जमा कराने को कहा गया।22 जनवरी से 6 फरवरी 2026 के बीच पीड़ित ने कुल 37.85 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। एप में लगातार मुनाफा दिखाया जाता रहा, लेकिन जब उन्होंने रकम निकालने की कोशिश की तो और पैसे जमा करने की मांग की गई।ठगी का शक होने पर पीड़ित ने 18 फरवरी को ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर साइबर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और संबंधित खातों व डिजिटल ट्रेल की पड़ताल की जा रही है।

कोसी बैराज पर पुलिस की सतर्कता 14 साल की बच्ची की जान बची

रामनगर (संवाददाता)। में पुलिस की सतर्कता और मानवता की एक शानदार मिसाल सामने आई है जहां दो कांस्टेबलों ने अपनी सूझबूझ से एक नाबालिग लड़की की जान बचा ली। रामनगर के कोसी बेराज पर तैनात कांस्टेबल प्रीतम चौधरी और कांस्टेबल नरेंद्र कुमार जो आईआरबी फर्स्ट बटालियन से जुड़े हैं अपनी ड्यूटी रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक निभा रहे थे। इसी दौरान रात करीब 3 बजे एक संदिग्ध स्थिति में एक नाबालिग लड़की बैराज के पास दिखाई दी, जो आत्महत्या करने की कोशिश में थी। कांस्टेबल प्रीतम चौधरी की पैनी नजर उस पर पड़ी और बिना समय गंवाए दोनों जवानों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर लड़की को सुरक्षित बचा लिया।अगर उस समय पुलिस की ये सतर्कता न होती तो एक बड़ी अनहोनी हो सकती थी। पुलिस द्वारा पूछताछ में पता चला कि लड़की की उम्र लगभग 14 वर्ष है और वह 9वीं कक्षा की छात्रा है जो मुरादाबाद की रहने वाली है और पिछले दिन से लापता थी। पुलिस ने तुरंत उसके परिजनों को सूचना दी जिसके बाद सुबह करीब 6 बजे परिजनों के पहुंचने पर लड़की को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया गया। रामनगर पुलिस के इन दोनों जवानों की इस सतर्कता और मानवता भरे कदम की हर तरफ सराहना हो रही है।

कांग्रेस का पुतला दहन किया

रामनगर (संवाददाता)। भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष चंदन सिंह बिष्ट के नेतृत्व में एआई इम्पेक्ट समिट के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा की गई अराजकता एवं देश की छवि धूमिल करने के प्रयास के विरोध में शहीद स्मारक से लखनपुर चुंगी तक मार्च निकालकर लखनपुर चुंगी पर कांग्रेस का पुतला दहन किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा चन्दन सिंह बिष्ट ने कहा कि जब देश वैश्विक मंच पर तकनीकी प्रगति और नवाचार के क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है, तब इस प्रकार का अव्यवस्थित और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में व्यवधान डालना न केवल लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उल्लंघन है, बल्कि इससे देश की प्रतिष्ठा को भी आघात पहुंचता है।उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरोध लोकतंत्र का हिस्सा है लेकिन राष्ट्रहित से ऊपर कोई राजनीति नहीं हो सकती। भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी कृत्य को भारतीय जनता पार्टी और युवा मोर्चा कभी स्वीकार नहीं करेंगे।कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रहित में एकजुट रहने का संकल्प लिया। शांति और अनुशासन के साथ अपना विरोध दर्ज कराया।

हिन्दी दैनिक जोखिम

श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी का हाट अवतार! ट्रांसपेरेंट साइड कट गाउन में बिखेरा ऐसा ग्लैमर फैंस बोले- अप्सरा हो...

एंटरटेनमेंट की दुनिया की सबसे मशहूर पर्सनैलिटी तिवारी की बेटी पलक तिवारी स्टाइलिश और ग्लैमरस श्वेता लेकर सुर्खियों में हैं, उनकी ये हाल ही में अपने नए लुक को लगा रही हैंटीवी इंडस्ट्री की सबसे तस्वीरें सोशल मीडिया पर आग स्वेता तिवारी की बेटी पलक स्टाइलिश और ग्लैमरस माम सेंस से सबको हैरान कर रही हैं. तिवारी आजकल अपने फैशन आए दिन अपने बोल्ड और हाट अपनी मां की तरह ही पलक भी मचा देती हैं. हाल ही में उन्होंने लुक्स से इंटरनेट पर तहलका जिसमें उनका हुस्न देख फैंस ने एक ऐसा फोटोशूट करवाया है, हैं.पलक तिवारी ने अपने इंस्टाग्राम उनकी तारीफों के पुल बांध दिए जिनमें वह सी-ग्रीन कलर की पर कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं, गाउन में नजर आ रही हैं. यह एक बेहद खूबसूरत साइड कट कि फैंस उन्हें अप्सरा कह रहे गाउन उन पर इतना जंच रहा है, मिनिमल मेकअप और खुले बाल हैं.इस गाउन के साथ पलक ने भी क्लासी और नेचुरल लग रखे हैं, जिससे उनका लुक और भारी-भरकम ज्वेलरी नहीं रहा है. उन्होंने कोई नेकलेस और ईयररिंग्स से पहनी है, सिर्फ एक हल्का है. उनकी ये तस्वीरें सोशल अपने लुक को कंप्लीट किया मीडिया पर आग लगा रही हैं, जिसपर फैंस लगातार कमेंट्स कर रहे हैं.पलक की इन तस्वीरों को देख फैंस उनकी खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, आप बिल्कुल अप्सरा जैसी लग रही हो. वहीं, एक और यूजर ने कमेंट किया, पलक ने तो अपनी मां श्वेता तिवारी को भी पीछे छोड़ दिया, क्या खूबसूरती है! कुछ लोग तो यह भी कह रहे हैं, कि उनके सामने बालीवुड की बड़ी-बड़ी हीरोइनें फीकी लगती हैं.पलक तिवारी को गायक हार्डी संधू के पापुलर गाने बिजली-बिजली से जबरदस्त पहचान मिली थी. इस गाने में उनका डांस और एक्सप्रेशंस फैंस को इतने पसंद आए थे, कि वह रातों-रात स्टार बन गई थीं, इस गाने के बाद से ही पलक के पास कई म्यूजिक वीडियो और फिल्मों के आफर आने लगे.पलक तिवारी को गायक हार्डी संधू के पापुलर गाने बिजली-बिजली से जबरदस्त पहचान मिली थी. इस गाने में उनका डांस और एक्सप्रेशंस फैंस को इतने पसंद आए थे, कि वह रातों-रात स्टार बन गई थीं, इस गाने के बाद से ही पलक के पास कई म्यूजिक वीडियो और फिल्मों के आफर आने लगे. पलक तिवारी ने अपनी मां श्वेता तिवारी की तरह ही एक्टिंग में अपना करियर शुरू कर दिया है. उन्होंने सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से बालीवुड में डेब्यू किया था. इसके अलावा वह और भी कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं.हाल ही में पलक की फिल्म द भूतनी सिनेमा घरों में रिलीज हुई थी, जिसमें उनके किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया. फिलहाल, पलक अपनी एक्टिंग स्किल्स के साथ-साथ अपने फैशन सेंस और फिटनेस को लेकर भी काफी चर्चा में रहती हैं.

लापता लेडीज के बाद नितांशी गोयल चलीं साउथ? विजय देवरकोंडा के भाई संग पर्दे पर करेंगी रोमांस

फिल्म लापता लेडीज से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री नितांशी गोयल अब एक बड़े प्रोजेक्ट में नजर आने वाली हैं। रिपोर्ट के मुताबिक नितांशी जल्द ही तेलुगु सिनेमा के लोकप्रिय चेहरे आनंद देवरकोंडा के साथ अपनी पहली पैन-इंडिया फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगी। लंबे समय से नितांशी के फैंस उनकी अगली फिल्म का इंतजार कर रहे हैं और अब इस खबर के बाद फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है।

किरण राव के निर्देशन में बनी लापता लेडीज में नितांशी गोयल की एक्टिंग को खूब सराहा गया था। उनके साथ इस फिल्म में प्रतिभा रांटा और स्पर्श श्रीवास्तव भी मुख्य भूमिकाओं में थे। साधारण लड़की के किरदार को उन्होंने जिस गहराई और मासूमियत से निभाया, उसने दर्शकों के दिल में खास जगह बनाई। इसी फिल्म ने उन्हें इंडस्ट्री का उभरता सितारा बना दिया।

अब खबर है कि नितांशी, आनंद देवरकोंडा के साथ एक पैन-इंडिया प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने जा रही हैं। इस फिल्म को सितारा एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रही है और शूटिंग अगले महीने शुरू होगी। बताया जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट 2025 की सबसे बड़ी क्रास-इंडस्ट्री फिल्मों में से एक होगा, जिसमें हिंदी और साउथ सिनेमा की लोकप्रियता को जोड़कर नए दर्शकों तक पहुंचने की कोशिश की जाएगी। हालांकि फिलहाल मेकर्स की ओर से इसे लेकर कोई आफिशियल अनाउंसमेंट नहीं किया गया है।

खबरें हैं कि फिल्म के मेकर्स ने इसे बड़े पैमाने पर बनाने का प्लान तैयार किया है। भव्य सेट, दमदार म्यूजिक और स्टाइलिश विजुअल्स के साथ यह फिल्म दर्शकों को नया अनुभव देने वाली है। हालांकि कहानी अभी तक गुप्त रखी गई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि यह एक एनर्जेटिक एंटरटेनर होगी, जो हर उम्र के दर्शकों को आकर्षित करेगी।सिर्फ यही नहीं, नितांशी को एक और बड़े प्रोजेक्ट के लिए अप्रोच किया गया है। खबरों के अनुसार, वह अभय वर्मा के साथ रत्ना सिन्हा के निर्देशन में बनने वाली फिल्म में भी नजर आ सकती हैं। माना जा रहा है कि यह फिल्म शादी में जरूर आना के सीक्वल के तौर पर तैयार की जा रही है।नितांशी ने हाल ही में कान्स फिल्म फेस्टिवल में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी। वहां उन्होंने अपने लुक्स से पुराने दौर की दिग्गज अभिनेत्रियों- रेखा, मधुबाला, मीना कुमारी, नरगिस और श्रीदेवी को ट्रिब्यूट दिया। उनके इस अंदाज ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्हें लाइमलाइट में ला दिया।

पवन कल्याण की फिल्म की बाक्स आफिस पर आंधी, वर्ल्डवाइड 250 करोड़ पार हुई ओजी

पवन कल्याण की दे काल हिम ओजी बाक्स आफिस पर रुकने का नाम ही नहीं ले रही है. फिल्म ने मंडे टेस्ट भी पास कर लिया है. फिल्म रिकार्ड ब्रेक कमाई कर रही है. वर्ल्डवाइड भी फिल्म धमाल मचा रही है. फिल्म 5 दिनों में ही 2025 की हाइएस्ट ग्रासिंग तेलुगू फिल्म बन गई है.रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने ओपनिंग वीकेंड पर वर्ल्डवाइड 252 करोड़ क्रास कर लिया. ओपनिंग वीकेंड में फिल्म ने धमाका कर दिया है. सोमवार को फिल्म ने 13 करोड़ का कलेक्शन किया और अब फिल्म का अभी तक का टोटल कलेक्शन 265 करोड़ हो गया है.दे काल हिम ओजी अब 2025 की हाइएस्ट ग्रासिंग तेलुगू फिल्म हो गई है. फिल्म ने वेंकटेश की संक्रांतिकी वस्तुनम को पीछे छोड़ दिया है. संक्रांतिकी वस्तुनम ने 255 करोड़ का वर्ल्डवाइड लाइफटाइम कलेक्शन किया था. इसके अलावा किसी और फिल्म ने 200 करोड़ का आंकड़ा क्रास नहीं किया. वहीं दे काल हिम ओजी जिस तरह से कमाई कर रही है. सेकंड वीकेंड तक फिल्म 300 करोड़ का आंकड़ा पार कर लेगी और इस साल ऐसा करने वाली पहली फिल्म बन जाएगी. फिल्म के घरेलू कलेक्शन के बारे में बात करें तो फिल्म ने पेड प्रिव्यू से 21 करोड़ की कमाई की थी. इसके बाद पहले दिन 63.75 करोड़ का कलेक्शन किया. दूसरे दिन 18.45 करोड़ की कमाई की. तीसरे दिन फिल्म ने 18.5 करोड़ कमाए, चौथे दिन फिल्म ने 18.5 करोड़ और पांचवें दिन 8.55 करोड़ का कलेक्शन किया.दे काल हिम ओजी को सुजीत ने डायरेक्ट किया है. फिल्म में पवन कल्याण गैंगस्टर के रोल में नजर आ रहे हैं.

100 करोड़ी बनने से कुछ कदम दूर जाली एलएलबी 3, जारी है अच्छी कमाई

अभिनेता अक्षय कुमार और अरशद वारसी की फिल्म जाली एलएलबी 3 19f सतंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म ने बाक्स आफिस पर 11 दिन पूरे कर लिए हैं। जाली और जाली एलएलबी 2 के बाद निर्माता जाली एलएलबी 3 लेकर आए हैं। पहले दिन इसे फिल्म समीक्षकों और दर्शकों की साकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। सिनेमाघरों में 11 दिन पूरे कर चुकी जाली एलएलबी 3 की कमाई के ताजा आंकड़े आ गए हैं। जाली एलएलबी 3 की कमाई में वीकेंड पर बढ़त देखी गई थी, लेकिन दूसरे सोमवार को फिल्म के आंकड़े फिर गिर गए हैं। बाक्स आफिस का ब्योरा रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, जाली एलएलबी 3 ने 11वें दिन कुल 3 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। फिल्म की कुल कमाई अब भारत में 93.50 करोड़ रुपये हो गई है।

आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना हारर कामेडी फिल्म थम्मा का तेलुगु ट्रेलर रिलीज

रश्मिका मंदाना और आयुष्मान खुराना अभिनीत बहुप्रतीक्षित हारर कामेडी फिल्म थम्मा का तेलुगु ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है। आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित यह फिल्म रोमांस, कामेडी और रोमांच के मिश्रण से भरपूर एक रोमांचक सफर का वादा करती है। ट्रेलर एक खौफनाक पिशाच की दुनिया की झलक दिखाता है जहाँ नवाजुद्दीन सिद्दीकी यक्षसन की भूमिका निभा रहे हैं, जो सालों से एक गुफा में फंसा एक खतरनाक पिशाच है।

फिल्म की कहानी यक्षसन की खोज के बाद आयुष्मान खुराना के पिशाच में बदलने के इर्द-गिर्द घूमती है। रश्मिका मंदाना एक पिशाच की भूमिका निभाती हैं जिसे नायक से प्यार हो जाता है, और दोनों की जोड़ी के बीच जबरदस्त केमिस्ट्री है। हालाँकि, उनकी अलग-अलग दुनिया के कारण उनका प्यार जटिल है। ट्रेलर नायक और खलनायक के बीच एक्शन दृश्यों के साथ एक शानदार अंत के साथ समाप्त होता है, जो एक मनोरंजक सफर का वादा करता है।

थम्मा दिवाली के तोहफे के रूप में 21 अक्टूबर, 2025 को दुनिया भर में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म मैडाक फिल्म्स की हारर-कामेडी दुनिया का हिस्सा है और इस श्रृंखला की पाँचवीं रिलीज है। दिनेश विजान और अमर कौशिक द्वारा निर्मित, इस फिल्म ने दर्शकों के बीच काफी चर्चा बटोरी है। सुरेश प्रोडक्शंस इस फिल्म को तेलुगु में रिलीज करेगा, और निर्माताओं ने पहले ही तेलुगु ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसमें फिल्म की रोमांचक कहानी दिखाई गई है।

फिल्म में आयुष्मान के पिता की भूमिका निभाने वाले परेश रावल जैसे उल्लेखनीय कलाकार शामिल हैं, जो फिल्म के हास्य तत्वों को और बढ़ा देते हैं। हारर और कामेडी के अपने अनोखे मिश्रण के साथ, थम्मा दर्शकों के बीच हिट होने की उम्मीद है। फिल्म की पटकथा नीरेन भट्ट, अरुण फुलारा और सुरेश मैथ्यू ने लिखी है, जो इसे एक बेहतरीन कहानी बनाती है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

मुख्यमंत्री ने कुंभ मेला हरिद्वार हेतु रु. 234.55 करोड़ की लागत से 34 महत्वपूर्ण कार्यों का किया शिलान्यास

हरिद्वार(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा वर्ष 2027 में आयोजित होने वाले कुंभ मेला हरिद्वार के दिव्य एवं भव्य आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए रु. 234.55 करोड़ की लागत से 34 प्रमुख अवसंरचना कार्यों का शिलान्यास किया गया। कुंभ मेला नियंत्रण भवन में शनिवार को आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप कुंभ मेला-2027 के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन के साथ-साथ हरिद्वार शहर के दीर्घकालीन विकास को सुदृढ़ करने में यह अवस्थापना कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे।शिलान्यास किए गए कार्यों का विवरण :1. घाट निर्माण एवं सिंचाई अवसंरचना (सिंचाई विभाग) कुल 07 कार्य ख़ लागत: रु. 70.54 करोड़अपर गंगा नहर के दाएं एवं बाएं तट पर विभिन्न स्थानों पर घाटों का निर्माण एवं पुनर्विकास।90 मीटर स्पान का कम्पोजिट स्टील गर्डर द्वि-लेन सेतु निर्माण।03 अस्थायी पुलों की स्थापना,मरम्मत एवं रख-रखाव।2. सड़क एवं परिवहन अवसंरचना (लोक निर्माण विभाग) कुल 12 कार्य ख़ लागत: रु. 127.23 करोड़बहादराबादख़सिडकुल चार लेन मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण।राष्ट्रीय राजमार्ग-334 (दिल्ली-हरिद्वार-देहरादून) का चौड़ीकरण।नगर क्षेत्र में बीसी (बिटुमिनस कंक्रीट) द्वारा नवीनीकरण, फुटपाथ निर्माण एवं सौंदर्यीकरण।प्रशासनिक रोड कॉरिडोर का विकास।3. पेयजल एवं जल आपूर्ति अवसंरचना (जल संस्थान) कुल 09 कार्य ख़ लागत: रु. 18.11 करोड़पंपिंग जलापूर्ति योजनाओं का पुनर्गठन।1500 केएल क्षमता का ओवरहेड टैंक एवं ट्यूबवेल निर्माण।10 मीटर व्यास के 05 आरसीसी इन्फिल्ट्रेशन कुओं का निर्माण।4. श्रद्धालु सुविधाएँ एवं सहायक अवसंरचना कुल 06 कार्य लागत: रु. 18.67 करोड़चंडी देवी एवं मनसा देवी मंदिर मार्ग पर तीर्थयात्रियों हेतु सुविधाओं का विकास।बैरक एवं औषधि भंडारण कक्ष का निर्माण।मेला नियंत्रण भवन का नवीनीकरण एवं अतिरिक्त बैरकों का निर्माण।

जुलूस निकालकर कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन

ऋषिकेश(संवाददाता)। दिल्ली में आयोजित एआई समिट में कांग्रेस के प्रदर्शन पर भाजपाइयों में जबरदस्त आक्रोश है। आक्रोशित भाजपाइयों ने शनिवार को जुलूस निकालकर कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया। दून मार्ग पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी कर अपने गुस्से का इजहार भी किया। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र तड़ियाल के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता दून मार्ग स्थित सिनेमाघर के पास जुटे। हाथ में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का प्रतीकात्मक पुतला लेकर आशुतोषनगर तिराहे तक जुलूस निकाला और कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। एआई समिट में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन पर पर कड़े सवाल उठाए। इस दौरान जिलाध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली की यह घटना शर्मनाक है। मुद्दाविहीन कांग्रेस पूरी तरह से घबरा गई है। कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी विदेश की धरती पर भारत को अपमानित करते हैं। उनकी पार्टी के युवा कार्यकर्ता अब भारत में इस तरह की करतूतें कर रहे हैं, जिससे भारत की छवि पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार...

ब्रह्मलीन साध्वी प्रेम बाईसा को संतों ने दी श्रद्धांजलि

हरिद्वार(संवाददाता)। उत्तरी हरिद्वार स्थित स्वामी कृष्णानंद गंगा घाट पर राजस्थान की ब्रह्मलीन साध्वी प्रेम बाईसा को संत-महंतों द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में संत समाज एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। ब्रह्मलीन साध्वी प्रेम बाईसा के शिष्य वीरमनाथ एवं स्वामी प्रेमानंद शास्त्री महाराज के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में गौ ऋषि स्वामी ज्ञान स्वरूपानंद अक्रिय महाराज ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि साध्वी प्रेम बाईसा का संपूर्ण जीवन गौ, गंगा, गीता और सनातन धर्म संस्कृति को समर्पित रहा। उन्होंने जीवन पर्यंत समाज सेवा के साथ धर्म एवं संस्कृति के प्रचार-प्रसार का कार्य किया। स्वामी प्रेमानंद शास्त्री महाराज ने कहा कि ब्रह्मलीन साध्वी प्रेम बाईसा ने समाज को सदैव धर्म का मार्ग दिखाया और सनातन धर्म के उत्थान के लिए आजीवन कार्य किया। उनका जीवन त्याग, सेवा और साधना का प्रेरणादायी उदाहरण रहेगा। इस अवसर पर श्रीमहंत दुर्गादास एवं महंत शुभम गिरि महाराज ने कहा कि साध्वी का जीवन पूर्णत: सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति को समर्पित रहा। महंत सूरजदास महाराज, महंत कमलेशानंद, स्वामी उमेशानंद, महंत प्रह्लाद दास, महंत रवि दास, महंत गुरुमल, स्वामी गोपालानंद अक्रिया, गौ ऋषि ज्ञान स्वरूपानंद अक्रिय महाराज एवं महंत रविन्द्रदास सहित अनेक संत-महंत एवं श्रद्धालुओं ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

वीआईपी कार्यक्रम के चलते जगह-जगह जाम, 25 मिनट बाद ट्रैफिक सामान्य

हरिद्वार(संवाददाता)। हरिद्वार में शुक्रवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के वीआईपी कार्यक्रम के चलते शहर की मुख्य सड़कों पर यातायात व्यवस्था चरमरा गई। प्रेमनगर फ्लाईओवर से शंकराचार्य चौक तक वाहनों की लंबी कतारें लग गई। अचानक बढ़े ट्रैफिक दबाव के कारण हाईवे और सर्विस लेन पर करीब 25 मिनट तक रेंग-रेंग कर वाहन चलते रहे। प्रेमनगर फ्लाईओवर के नीचे से शंकराचार्य चौक तक लगातार जाम की स्थिति बनी रही। कुमाऊं की ओर जाने वाले चंडी देवी पुल के पास सर्विस लेन और आयरिस पुल फ्लाईओवर पर भी वाहनों की रफ्तार थम गई। शंकराचार्य चौक पर कनखल से आने वाले मार्ग पर अतिरिक्त दबाव के चलते यातायात प्रभावित रहा। इससे बाजार और अन्य कार्यों के लिए जाने वाले लोगों को परेशानी उठानी पड़ी।

चारधाम यात्रा के सुरक्षित संचालन को लेकर ट्रैफिक पुलिस व विभागों का संयुक्त निरीक्षण

- चारधाम यात्रा मार्ग पर रोड मार्किंग, रंबल स्ट्रिप और चेतावनी बोर्ड लगाने की सिफारिश

ऋषिकेश(संवाददाता)। चारधाम यात्रा के सुरक्षित संचालन को लेकर ट्रैफिक पुलिस और संबंधित विभागों ने शनिवार को नेशनल हाईवे तथा रानीपोखरी-ऋषिकेश (दून-ऋषिकेश) मार्ग का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद एक विस्तृत संयुक्त रिपोर्ट तैयार कर आवश्यक सुरक्षा कार्यों के क्रियान्वयन के लिए सविन बंसल को भेज दी गई है। शनिवार को ट्रैफिक निरीक्षक प्रदीप कुमार और एआरटीओ प्रवर्तन रश्मि पंत के नेतृत्व में एनएचएआई, एनएच और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों की टीम ने रायवाला से भानियावाला तक नेशनल हाईवे का जायजा लिया। इसके बाद टीम जौलीग्रांट होते हुए रानीपोखरी और फिर ऋषिकेश पहुंची। इस दौरान हाईवे और रानीपोखरी-ऋषिकेश मार्ग पर पड़ने वाले प्रमुख चौराहों, तिराहों, यू-टर्न और कट प्वाइंट्स का बारीकी से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि यात्रा के दौरान यातायात दबाव को देखते हुए कई स्थानों पर अतिरिक्त सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है। इसी आधार पर बिंदुवार संयुक्त रिपोर्ट तैयार की गई। रिपोर्ट में हाईवे और रानीपोखरी से ऋषिकेश मार्ग पर रोड मार्किंग को दुरुस्त करने, रंबल स्ट्रिप लगाने, स्टॉप लाइन और जेब्रा क्रॉसिंग चिह्नित करने, कैट आई और डेलिनेटर लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इसके अलावा सूचनात्मक, गति सीमा और चेतावनी बोर्ड स्थापित करने, ब्लिंकर लगाने तथा डिवाइडर पर फ्लोरोसेंट रंग कराने की भी सिफारिश की गई है। टीम ने अनाधिकृत कटों को बंद कराने और पथ-प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया है, ताकि रात्रिकालीन यातायात में दुर्घटनाओं की आशंका कम हो सके। अधिकारियों के अनुसार चारधाम यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में तीर्थयात्री इस मार्ग से गुजरते हैं। ऐसे में न केवल बाहरी श्रद्धालुओं बल्कि स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी प्राथमिकता है।

182 लोगों ने उठाया विभिन्न योजनाओं का लाभ

ऋषिकेश(संवाददाता)। विकासखंड यमकेश्वर के बनचूरी में शनिवार को 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान के तहत शनिवा आयोजित बहुउद्देश्यीय शिविर में 40 शिकायतें दर्ज हुईं। 182 लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पीडी डीआरडीए विवेक कुमार उपाध्याय ने की। उन्होंने कहा कि इस तरह के शिविर प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम हैं। इससे ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए तहसील और जिला मुख्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो मामले मौके पर निस्तारित नहीं हो सके हैं, उनका प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। शिविर में कुल 40 शिकायतें दर्ज की गयी। संबंधित विभागों की सक्रियता के चलते अधिकांश शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष मामलों को समयबद्ध कार्रवाई के लिए दर्ज किया गया।

जरूरतमंदों को बांटे चार लाख सैंतीश हजार के चेक

ऋषिकेश(संवाददाता)। विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने शनिवार को बैराज कैंप कार्यालय में आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए सहायता राशि के चेक वितरित किए। उन्होंने कहा कि सरकार सभी वर्गों के लोगों के लिए कार्य कर रही है। विधायक ने कुछ समय पूर्व करंट लगने से घायल हुए गीता नगर निवासी अर्पित नेगी को उपचार के एक लाख की आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया। इसके अतिरिक्त अन्य 20 जरूरतमंद व्यक्तियों को भी कुल 3,37,000 की धनराशि के दिए गए।

स्वामी, प्रकाशक एवम मुद्रक संजीव पंत द्वारा 19.सी, सुभाष रोड, पैसेफिक होटल के पीछे डूंगा हाउस देहरादून से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन्स डी-2, शिवलोक कालोनी लाडपुर, ब्लॉक रायपुर काली मन्दिर के पास, देहरादून से मुद्रित। सम्पादक - संजीव पंत , फोन नं0- 0135-2712118 , प्रसार प्रबंधक: वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/33537 email: jokhimdehradun2006@gmail.com